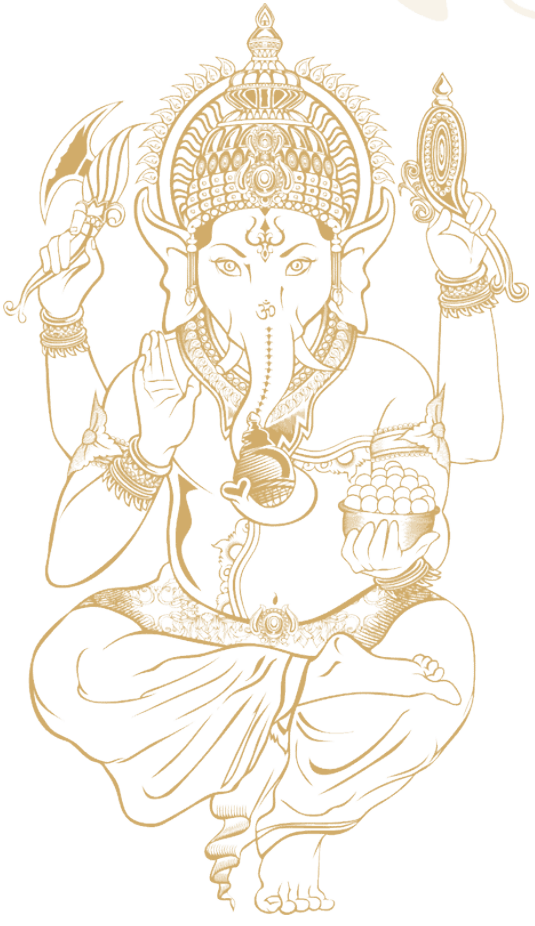

Abhijot

17 Dec 2019

02:24 PM

Muktsar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121646005

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**17/12/2019**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**14:24:00 घंटे**
इष्ट	17:34:10 घटी
स्थान	**Muktsar**
राज्य	Punjab
देश	India

अक्षांश	30:30:00 उत्तर
रेखांश	74:34:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:31:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	13:52:16 घंटे
वेलान्तर	00:04:08 घंटे
साम्पातिक काल	19:35:04 घंटे
सूर्योदय	07:22:20 घंटे
सूर्यास्त	17:33:07 घंटे
दिनमान	10:10:47 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	00:58:21 धनु
लग्न के अंश	09:31:03 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**मघा - 3**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	विष्कुम्भ
करण	गर
गण	राक्षस
योनि	मूषक
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मू-मुकेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	09:31:03	479:12:46	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	शनि	---
सूर्य			धनु	00:58:21	01:01:03	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	मित्र राशि
चंद्र			सिंह	06:50:00	14:07:53	मघा	3	10	सूर्य	केतु	राहु	मित्र राशि
मंगल			तुला	24:27:05	00:40:03	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	सम राशि
बुध			वृश्चि	17:40:36	01:30:42	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	सम राशि
गुरु		अ	धनु	09:10:22	00:13:44	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	स्वराशि
शुक्र			मक	02:17:02	01:14:00	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	मित्र राशि
शनि			धनु	25:35:20	00:06:41	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	सम राशि
राहु			मिथु	14:18:47	00:01:14	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	बुध	उच्च राशि
केतु			धनु	14:18:47	00:01:14	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	उच्च राशि
हर्ष	व		मेष	08:46:43	00:01:14	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	---
नेप			कुंभ	21:54:30	00:00:41	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	---
प्लूटो			धनु	27:47:15	00:01:50	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	चंद्र	---
दशम भाव			धनु	27:51:56	--	उत्तराषाढ़ा	--	21	गुरु	सूर्य	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:07:52

लग्न-चलित

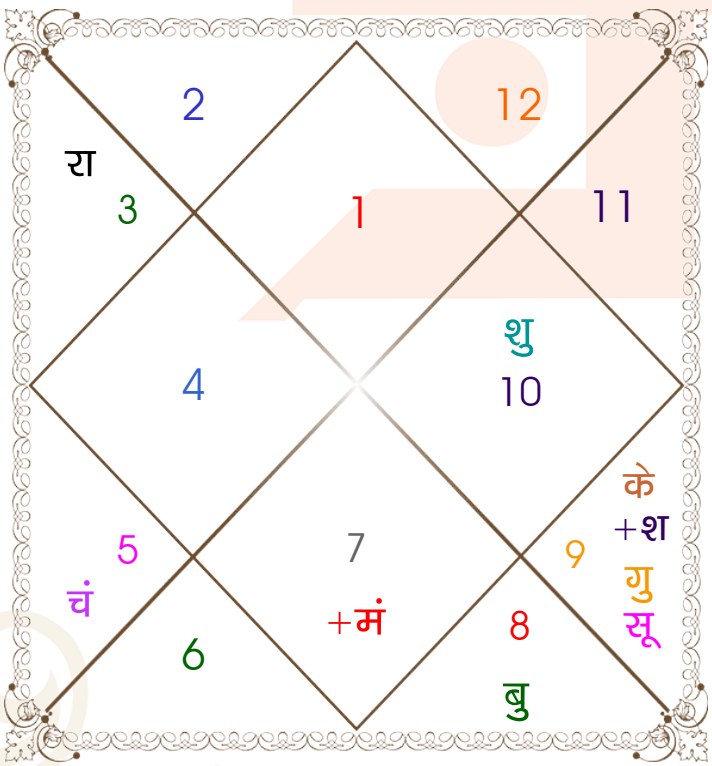

चन्द्र कुंडली

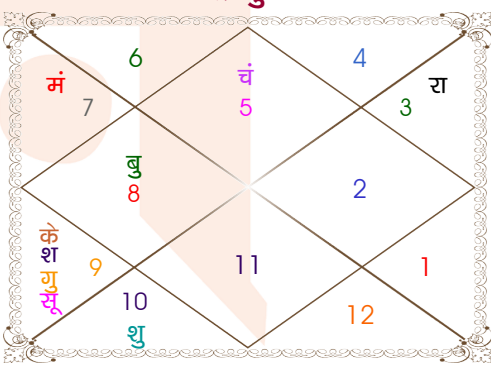

नवमांश कुंडली

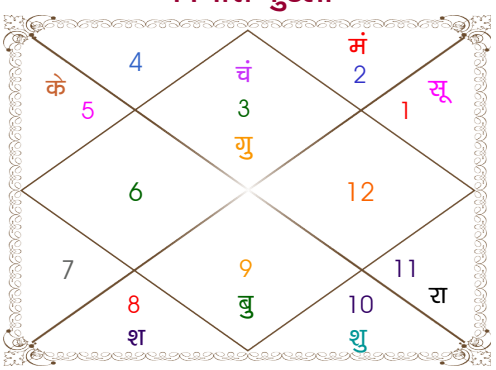

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 3 वर्ष 4 मास 28 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
17/12/2019		17/05/2023		17/05/2043		16/05/2049		17/05/2059	
17/05/2023		17/05/2043		16/05/2049		17/05/2059		16/05/2066	
	00/00/0000	शुक्र	15/09/2026	सूर्य	03/09/2043	चंद्र	16/03/2050	मंगल	13/10/2059
	00/00/0000	सूर्य	15/09/2027	चंद्र	04/03/2044	मंगल	15/10/2050	राहु	30/10/2060
	00/00/0000	चंद्र	16/05/2029	मंगल	10/07/2044	राहु	15/04/2052	गुरु	06/10/2061
	00/00/0000	मंगल	16/07/2030	राहु	03/06/2045	गुरु	15/08/2053	शनि	15/11/2062
	17/12/2019	राहु	16/07/2033	गुरु	22/03/2046	शनि	17/03/2055	बुध	12/11/2063
राहु	04/05/2020	गुरु	16/03/2036	शनि	04/03/2047	बुध	15/08/2056	केतु	09/04/2064
गुरु	10/04/2021	शनि	17/05/2039	बुध	09/01/2048	केतु	16/03/2057	शुक्र	09/06/2065
शनि	19/05/2022	बुध	16/03/2042	केतु	16/05/2048	शुक्र	15/11/2058	सूर्य	15/10/2065
बुध	17/05/2023	केतु	17/05/2043	शुक्र	16/05/2049	सूर्य	17/05/2059	चंद्र	16/05/2066

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
16/05/2066		16/05/2084		17/05/2100		18/05/2119		17/05/2136	
16/05/2084		17/05/2100		18/05/2119		17/05/2136		00/00/0000	
राहु	26/01/2069	गुरु	04/07/2086	शनि	21/05/2103	बुध	13/10/2121	केतु	13/10/2136
गुरु	22/06/2071	शनि	14/01/2089	बुध	28/01/2106	केतु	10/10/2122	शुक्र	13/12/2137
शनि	28/04/2074	बुध	22/04/2091	केतु	09/03/2107	शुक्र	10/08/2125	सूर्य	20/04/2138
बुध	14/11/2076	केतु	28/03/2092	शुक्र	08/05/2110	सूर्य	17/06/2126	चंद्र	19/11/2138
केतु	03/12/2077	शुक्र	27/11/2094	सूर्य	20/04/2111	चंद्र	16/11/2127	मंगल	17/04/2139
शुक्र	03/12/2080	सूर्य	15/09/2095	चंद्र	18/11/2112	मंगल	12/11/2128	राहु	18/12/2139
सूर्य	27/10/2081	चंद्र	14/01/2097	मंगल	28/12/2113	राहु	02/06/2131		00/00/0000
चंद्र	28/04/2083	मंगल	21/12/2097	राहु	03/11/2116	गुरु	07/09/2133		00/00/0000
मंगल	16/05/2084	राहु	17/05/2100	गुरु	18/05/2119	शनि	17/05/2136		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 3 वर्ष 4 मा 27 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

जिस समय आपका जन्म हुआ, उस समय पूर्वी क्षितिज पर अश्विनी नक्षत्र के तृतीय चरण में मेष लग्न उदित था। परिणाम स्वरूप जन्मकाल मिथुन नवमांश एवं मेष के द्रेष्काण के प्रभाव से आप का जन्म लग्न प्रभावित था।

आप में व्यक्तिगत रूप से कई कार्यों को एक साथ संचालित करने की क्षमता है, और आप कोई भी कार्य पूर्ण रूपेण आश्वस्त होकर संपादित करते हैं। आप उच्चकोटि के महत्वाकांक्षी, व्यक्ति हैं। आप अपने उद्येश्यित महत्वपूर्ण बिंदुओं को कार्य रूप देकर कार्यान्वित कर लेने में लगन लगाते हैं। आप में यह वरदान स्वरूप विशिष्टता विद्यमान है कि आत्मबल के सहारे अपने कार्य को संपादन कर लेते हैं। परंतु आप में छोटी सी बातों में भी अड़चन लगाने की प्रवृत्ति विद्यमान है। अर्थात् किसी भी असाधारण बातों को द्वन्द्वात्मक बना देते हैं।

आप किसी कार्य का आरंभ विद्युत गति से करते हैं। परंतु अकस्मात् बीच में ही कार्य को रोक कर अपने मार्ग को बदलने पर पुनर्विचार करने लगते हैं। यदि आप कोई सशक्त निर्णय लेकर और पूरी तन्मयता से कार्य को कार्य रूप दें तो निश्चित रूप से आप किसी भी कार्य में सफल हो जाएंगे।

वास्तव में आप विशुद्ध आत्मा (हृदय) के प्राणी हैं। आपके हृदय में किसी प्रकार की कलुषता नही रहती है। आप चाहते हैं कि आज तक की परिस्थितियों की जानकारी प्राप्त कर नेतृत्व करें आप किसी दूसरे व्यक्ति का निर्देशों का अनुपालन नहीं करतें। यद्यपि आप यह चाहते है कि किसी भी व्यक्ति पर अपनी छाप (चिह्न) स्थापित करें तथापि यदा-कदा आप अपनी राय सभी कार्यों में प्रदान कर अपना प्रभाव कायम करने के लिए तत्पर रहते हैं। वास्तव में कोई भी व्यक्ति अच्छी राय आपसे प्राप्त कर आपसे प्रभावित हो जाता है।

आप अपने शत्रुओं से निर्भय रहते हैं। दुर्भाग्यवश यदि किसी शत्रु से आपको मुकाबला करना पड़ जाए और आपके साथ कोई षड्यंत्र करे तो आप वर्त्तमान कालिक परिस्थिति का मुकाबला पूरी शक्ति से एवं अपने निर्णय के अनुसार कूटनीतिक व्यवहार से उसके साथ पेश आते हैं।

अश्विनी नक्षत्र के प्रभावानुसार आप पूर्ण सशक्त एवं शक्ति संपन्न व्यक्तित्व की संपन्नता से धन प्राप्त करने की क्षमता रखते है। आपकी उन्नत ललाट और प्रभावक दृष्टि आपके अन्तः करण की सूचना प्रकट करता हैं आप में ऐसी क्षमता है कि आपके संपर्क में जो व्यक्ति आता है। उस पर आपका पूर्ण प्रभाव एवं अच्छी छाप पड़ती है। आप अधिक धन संचय करने के संबंध में लालची भी हैं। आपको अपने भाई के साथ कोई विवाद हो जाए और आप उलझ जाएं यह संभव है। अन्यथा आपका पारिवारिक जीवन सुंदर रहेगा। आपके जीवन का मुख्य दायीत्व पारिवारिक समस्या है। आप बेसुध हो कर, हर क्षण अपने परिवार के लाभ के लिए कुछ न कुछ करते रहने के संबंध में चिंतनशील रहा करते हैं, क्योंकि संपूर्ण परिवार का दायीत्व आपके कंधे पर है, अर्थात पूरे परिवार का विकास और विस्तार के लिए आप ही अभिभावक के रूप में जिम्मेदार हैं। परंतु आप अपने शब्द जाल में अधिकांश लोगों को फंसा

लेते है परंतु आप किसी भी दशा में अपने स्तर से गिर नहीं पाते। आपके स्वभाव के अनुसार जेल अधिकारी पद पर आपकी नियुक्ति उपयुक्त है। अन्यथा आप पुलिस विभाग या रेलवे अधिकारी भी हो सकते हैं।

सामान्यतया आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। परंतु आपको यह निर्देश दिया जाता है कि अपने पारिवारिक चिकित्सक से सिरोवेदना या मस्तिष्क रोग से सावधानी कैसे बरती जाय इसके संबंध में परामर्श ले लें।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके भविष्य के लिए उन्नति कारक एवं आकर्षक अंक 9 एवं 1 अंक होगा। जबकि आपके लिए अनुकूल अंक 4 एवं 8 अंक होगा। 6 एवं 7 अंक आपके लिए अच्छा प्रभाव देने वाला नहीं है।

आपके जीवन के लिए पीला, स्वर्णिम एवं लाल रंग व्यवहारिक एवं काला रंग सर्वथा त्याज्य है।